4 जून 2016

शनि जयंती महोत्सव पर कैसे करें श्री शनिदेव को प्रसन्न पूजा से

शनि जयंती व शनि अमावस्या महोत्सव

द्वादश राशि के लोग शनि जयंती के पावन पर्व पर कब और कैसे करें पूजा कि हो धन वर्षा ?

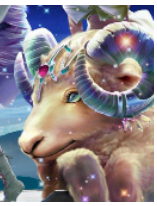

मेष राशि

इन जातकों के लिए बृहस्पतिदेव पंचम भाव और शनिदेव अष्टम भाव से गोचर कर रहा है। शनि जयंती के दिन सर्वप्रथम भगवान श्रीशनिदेव के दर्शन करें। प्रातः काल ब्रह्म मुहूर्त्त या शाम 7:30 से 8:00 बजे के बीच में श्रीशनिदेव का पूजन करें। पूजन में श्रद्धानुसार पुआ और हार सिंगार के 108 पुष्प भगवान श्रीशनिदेव का ध्यान करते हुए ऊँ शं धरणीधाराय नमः मंत्र का जाप करते हुए भगवान श्रीशनिदेव को अर्पित करें। तत्तपश्चात अपने घर में सरसों के तेल का दीपक जलाकर इसी मंत्र की 11 माला जाप करें। जाप के उपरांत
दानः- आज के दिन गाय गरीब को शकरकंदी का दान अति लाभकारी रहेगा।

वृष राशि

इन जातकों के लिए बृहस्पतिदेव चौथे भाव और शनिदेव सप्तम भाव से गोचर कर रहा है। शनि जयंती के दिन सर्वप्रथम भगवान श्रीशनिदेव के दर्शन करें। प्रातः काल ब्रह्म मुहूर्त्त या शाम 7:30 से 8:00 बजे के बीच में श्रीशनिदेव का पूजन करें। मखाने की खीर में, 7 चुटकी काले तिल, 7 लौंग, 7 इलायची, 7 काली मिर्च के दानें डालकर बनाएं। शुद्ध पात्र में खीर को डालकर मिली जुली मिठाइयां व मोगरे के 108 पुष्प भगवान श्रीशनिदेव का ध्यान करते हुए ऊँ शं श्रेष्ठाय नमः मंत्र का जाप करते हुए भगवान शनिदेव को अर्पित करें। श्रद्धापूर्वक अपने घर में सरसों के तेल का दीपक जलाकर इसी मंत्र की 7 माला जाप करें। जाप के उपरांत
दानः- तिल का दान या तिल का तेल गऊशाला में देना शुभ रहेगा।

मिथुन राशि

इन जातकों के लिए बृहस्पतिदेव तीसरे भाव और शनिदेव छठे भाव से गोचर कर रहा है। शनि जयंती के दिन सर्वप्रथम भगवान श्रीशनिदेव के दर्शन करें। प्रातः काल ब्रह्म मुहूर्त्त या शाम 7:30 से 8:00 बजे के बीच में आक के 108 नीले पुष्प से भगवान श्रीशनिदेव का ध्यान करते हुए ऊँ शं सर्वानिष्ट विनाशने नमः मंत्र का जाप करते हुए भगवान श्रीशनिदेव के चरणों में अर्पित करें। मूर्ति का स्पर्श करें। श्रद्धापूर्वक सरसों के तेल से अभिषेक करें। अपने घर आकर अपने पूजा घर में सरसों के तेल का चौमुखा दीपक जलाएं और इसी मंत्र की 8 माला जाप करें। जाप के उपरांत
दानः- गरीब बच्चों में जूते बांटना शुभ रहेगा।

कर्क राशि

इन जातकों के लिए बृहस्पतिदेव दूसरे भाव और शनिदेव पंचम भाव से गोचर कर रहा है। शनि जयंती के दिन सर्वप्रथम भगवान श्रीशनिदेव के दर्शन करें। प्रातः काल ब्रह्म मुहूर्त्त या शाम 7:30 से 8:00 बजे के बीच में 108 गुलाब के पुष्प व मेवा के लड्डु को भगवान श्रीशनिदेव का ध्यान करते हुए ऊं शं संकटनाशनये नमः मंत्र का जाप करते हुए भगवान श्रीशनिदेव के श्रीचरणों में अर्पित करें। मूर्ति का स्पर्श करें। श्रद्धापूर्वक सरसों के तेल से अभिषेक करें। अपने घर आकर अपने पूजा घर में सरसों के तेल का चौमुखा दीपक जलाएं और इसी मंत्र की 8 माला जाप करें। जाप के उपरांत
दानः- लौहे की बनी वस्तुओं का दान जरूरतमंद व्यक्ति को करना हितकारी रहेगा।

सिंह राशि

इन जातकों के लिए बृहस्पतिदेव लग्न भाव और शनिदेव चौथे भाव से गोचर कर रहा है। शनि जयंती के दिन सर्वप्रथम भगवान श्रीशनिदेव के दर्शन करें। प्रातः काल ब्रह्म मुहूर्त्त या शाम 7:30 से 8:00 बजे के बीच में 108 श्वेतार्क के पुष्प और श्रद्धानुसार मोतीचूर के लड्डु भगवान श्रीशनिदेव का ध्यान करते हुए ऊँ शं अघोक्षाय नमः मंत्र का जाप करते हुए भगवान श्रीशनिदेव के चरणों में अर्पित करें। मूर्ति का स्पर्श करें। भगवान श्रीशनिदेव को तेल चढ़ाएं। तत्तपश्चात अपने पूजा स्थान में सरसों के तेल का दीपक जलाएं और इसी मंत्र की श्रद्धानुसार माला जाप करें। जाप के उपरांत
दानः- गरीब व जरूरतमंद व्यक्ति को मूली का दान करना बहुत लाभकारी रहेगा।

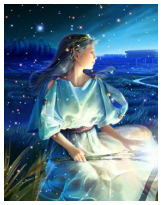

कन्या राशि

इन जातकों के लिए बृहस्पतिदेव बारहवें भाव और शनिदेव तीसरे से गोचर कर रहा है। शनि जयंती के दिन सर्वप्रथम भगवान श्रीशनिदेव के दर्शन करें। प्रातः काल ब्रह्म मुहूर्त्त या शाम 7:30 से 8:00 बजे के बीच में श्रीशनिदेव का पूजन करें। पूजन में 1 श्रीफल, 108 आक के पत्ते ऊँ शं सूर्य पुत्राय नमः मंत्र का जाप करते हुए भगवान श्रीशनिदेव के चरणों में अर्पित करें। मूर्ति का स्पर्श करें। श्रद्धानुसार सरसों के तेल से अभिषेक करें। तत्तपश्चात अपने पूजा घर में सरसों के तेल का दीपक जलाकर इसी मंत्र की 3 माला जाप करें। जाप के उपरांत
दानः- आज के दिन किसी अनाथ व्यक्ति के लिए कफन का दान व श्मशान घाट में लकड़ी के कोयले का दान लाभकारी रहेगा।

तुला राशि

इन जातकों के लिए बृहस्पतिदेव ग्यारहवें भाव और शनिदेव दूसरे भाव से गोचर कर रहा है। शनि जयंती के दिन सर्वप्रथम भगवान श्रीशनिदेव के दर्शन करें। प्रातः काल ब्रह्म मुहूर्त्त या शाम 7:30 से 8:00 बजे के बीच में श्रीशनिदेव का पूजन करें। पूजा में 11 नीले कमल के फूल भगवान श्रीशनिदेव का ध्यान करते हुए ऊँ शं आपदुद्धत्ते नमः। मंत्र का जाप करते हुए श्रीशनिदेव के चरणों में अर्पित करें। तत्तपश्चात अपने पूजा स्थान में गाय के घी का दीपक जलाकर इसी मंत्र की 5 माला जाप करें। जाप के उपरांत

दानः- सफेद तिल व शक्कर से बनी रेवड़ियां बांटना अति शुभ रहेगा।

वृश्चिक राशि

इन जातकों के लिए बृहस्पतिदेव दशम भाव और शनिदेव लग्न भाव से गोचर कर रहा है। शनि जयंती के दिन सर्वप्रथम भगवान श्रीशनिदेव के दर्शन करें। प्रातः काल ब्रह्म मुहूर्त्त या शाम 7:30 से 8:00 बजे के बीच में श्रीशनिदेव का पूजन करें। पूजन में 7 मुट्ठी काले तिल, 1 श्रीफल नारियल, 1 गांठ हल्दी, 1 कमलगट्टे का बीज व 1 गुलाब के फूल विशेष रूप से भगवान श्रीशनिदेव का ध्यान करते हुए ऊँ शं दीनार्तिहरणाय नमःमंत्र का जाप करते हुए भगवान श्रीशनिदेव के चरणों में अर्पित करें।

वृश्चिक राशि वाले शुद्ध आसन पर बैठकर चौमुखा सरसों के तेल हा दीपक जलाएं। ॐ दीनार्तिहरणाय नमः। इस मंत्र की 7 माला जाप करें।

दानः- गुड़ से बनी तिल की रेवड़ियां बांटना अति शुभ रहेगा।

धनु राशि

इन जातकों के लिए बृहस्पतिदेव नवम भाव और शनिदेव बारहवें भाव से गोचर कर रहा है। शनि जयंती के दिन सर्वप्रथम भगवान श्रीशनिदेव के दर्शन करें। प्रातः काल ब्रह्म मुहूर्त्त या शाम 7:30 से 8:00 बजे के बीच में श्रीशनिदेव का पूजन करें। पूजन में केसर का प्रयोग विशेष रूप से करना चाहिए। केसर युक्त पकवान, मिठाई आदि का भोग भगवान श्रीशनिदेव का ध्यान करते हुए ऊँ शं विरुपाक्षाय नमः मंत्र का जाप करते हुए श्रीशनिदेव के चरणों में अर्पित करें। श्रद्धापूर्वक अपने घर में सरसों के तेल का दीपक जलाकर इसी मंत्र की 7 माला जाप करें। जाप के उपरांत

दानः- चने की दाल और लकड़ी के कच्चे कोयले का दान देना अति लाभकारी रहेगा।

मकर राशि

इन जातकों के लिए बृहस्पतिदेव अष्टम भाव और शनिदेव ग्यारहवें भाव से गोचर कर रहा है। शनि जयंती के दिन सर्वप्रथम भगवान श्रीशनिदेव के दर्शन करें। प्रात: काल ब्रह्म मुहूर्त्त या शाम 7:30 से 8:00 बजे के बीच में श्रीशनिदेव का पूजन करें। पूजन में दूध से बनी मिठाई व श्वेतार्क के 108 पत्ते भगवान श्री शनिदेव का ध्यान करते हुए ऊँ शं वज्रदेहाय नम: मंत्र का जाप करते हुए भगवान श्रीशनिदेव के चरणों में अर्पित करें। श्रद्धापूर्वक अपने घर में सरसों के तेल का दीपक जलाकर इसी मंत्र की 5 माला जाप करें। जाप के उपरांत
दान:- साबूत उड़द का दान जरूरतमंद व गऊशाला में देना आपके लिए शुभ व मंगलकारी रहेगा।

कुंभ राशि

इन जातकों के लिए बृहस्पतिदेव सप्तम भाव और शनिदेव दसवें भाव से गोचर कर रहा है। शनि जयंती के दिन सर्वप्रथम भगवान श्रीशनिदेव के दर्शन करें। प्रात: काल ब्रह्म मुहूर्त्त या शाम 7:30 से 8:00 बजे के बीच में श्रीशनिदेव का पूजन करें। पूजन में गुलाब जामुन और 108 बेलपत्र भगवान श्रीशनिदेव का ध्यान करते हुए ऊँ शं छाया पुत्राय नम: मंत्र का जाप करते हुए भगवान श्रीशनिदेव को अर्पित करें। श्रद्धापूर्वक अपने घर में सरसों के तेल का दीपक जलाकर इसी मंत्र की 7 माला जाप करें। जाप के उपरांत
दान:- अपने वजन के बराबर अरबी का दान करें कष्टों से छुटकारा मिलेगा।

मीन राशि

इन जातकों के लिए बृहस्पतिदेव छठे भाव और शनिदेव नवम भाव से गोचर कर रहा है। शनि जयंती के दिन सर्वप्रथम भगवान श्रीशनिदेव के दर्शन करें। प्रात: काल ब्रह्म मुहूर्त्त या शाम 7:30 से 8:00 बजे के बीच में श्रीशनिदेव का पूजन करें। पूजन में श्रद्धानुसार बेसन के लड्डू और 108 धतूरे के पुष्प भगवान श्रीशनिदेव का ध्यान करते हुए ऊँ शं भानुपुत्राय नम: मंत्र का जाप करते हुए देवाधिदेव श्रीशनिदेव के चरणों में अर्पित करें। श्रद्धापूर्वक अपने घर में सरसों के तेल का दीपक जलाकर इसी मंत्र की 3 माला जाप करें। जाप के उपरांत
दान:- धनु राशि वाले जरूरतमंद व्यक्ति को पीले वस्त्रों का दान देना शुभ रहेगा।